1. श्री खण्डेलवाल वैश्य स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय :–

यह महाविद्यालय कॉलेज शिक्षा कमरो में पृथक से प्रिन्सिपल के कमरे में 90 प्रतिशत विभाग तथा यूजीसी से अनुदानित था।

1998 में 700 बालिकाएं अध्ययनरत थी जिनकी संख्या 2010 – 11 तक 1100 हो गई। वर्तमान में लगभग 200 छात्राएं हैं।

महिला महाविधालय भवन :– वर्ष 1998 में बालिका स्कूल की प्रथम मंजिल पर कमरो में पृथक से प्रिन्सपल के कमरे में 90 प्रतिशत महिला कालेज प्रारम्भ किया गया। सन् 1990 तक दुकानो पर चार कमरो का निमाण कराया गया लगभग 4000 वर्गफुट वर्ष 1998 से 2003 के मध्य हॉल (प्रथम मंजिल) का विस्तार कर वातानूकूलित किया गया एवं प्रथम मंजिल पर दो क्लास रुम एवं दो लैब कुल लगभग 6000 वर्गफुट का निर्माण कराया गया तथा प्रबन्ध समिति के कार्यालय को भी आधुनिक रुप से सुसज्जित कर वातानुकूलित कराया गया।

महिला महाविद्यालय प्रबन्ध समिति का गठनः– प्रथम बार पृथक से महिला महाविद्यालय समिति का गठन वर्ष 1998 में हुआ जिसके सचिव सुरेश पाटोदिया को बनाया गया। वर्ष 2012 में राजस्थान विश्वविद्यालय की ओर से प्रशासन नियुक्त किये जाने के आदेश पर रातो रात बिना निर्वाचन प्रक्रिया अपनाये सीधे ही अपने चहेते की नही प्रबन्ध समिति की रातो रात घोषणा कर चार्ज सुपुर्द कर दिया। निरन्तर महाविद्यालय की आर्थिक स्थिति गिरावट की ओर चली गयी। इसके पश्चात् वर्ष 2015–16 में पुनः निर्वाचन हुआ और वर्ष 2015 में श्री.... .....अध्यक्ष एवं श्री.....सचिव बने वर्ष 2020 में नई प्रबन्ध समिति का गठन हुआ जिसमें श्री.....अध्यक्ष एवं श्री.....सचिव बने। परन्तु महाविद्यालय में कोई विकास नही हुआ बल्कि निरन्तर गिरावट की ओर जाकर छात्राओ की संख्या लगभग मात्र 200 रह गयी। जो अत्यधिक चिन्ताजनक है। और नियमित वेतन भुगतान की भी परेशानी उत्पन्न हो गयी है।